मोमिन और काफिर की नेकी का फर्क

शैख मुहम्मद इशाक मुलतानी.

नोट: आप से दरखास्त है की इसे भाषा या ग्राम्मर का अदब ना समझे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

साहिबे कल्युबी रिवायत करते हे कि चौथे आसमान मे दो फरिश्ते आपस मे मिले एक ने दूसरे से पूछा कहा जाते हो, उसने जवाब दिया कि एक अजीब काम है और वो ये है कि फला शहर मे एक यहूदी आदमी है जिसके मरने का वकत करीब आ-गया है और उसने मछली खाने की ख्वाहिश की है, लेकिन दरिया मे मछलियां नही है, इसलिये मुझे मेरे रब ने हुक्म दिया है कि दरिया की तरफ मछलियां हांक दू, ताकी लोग उनमे से एक मछली उस यहूदी के लिये शिकार करले, और उसकी वजह ये है कि इस यहूदी ने जो भी नेकी की है अल्लाह ने इस्का बदला दुन्या मे इस्को दे दिया है, अब सिर्फ एक नेकी बाकी रह गयी है, इस लिये अल्लाह ने इस्का भी बदला दे दिया, अब सिर्फ एक नेकी बाकी (रह) गयी है, तो अल्लाह ने चाहा कि उसकी ख्वाहिश की चीझ उस तक पहुंचा दे ताकी वो दुन्या से इस हाल मे जाये कि उस्के नामा

आमाल मे कोई नेकी बाकी ना हो,

इसके बाद दूसरे फरिश्ते ने कहा मेरे रब ने मुझे भी एक अजीब काम के लिये भेजा है और वो ये है कि फला शहर मे एक नेक आदमी है इसने जो भी बुराइ की अल्लाह ने दुन्या ही मे इस्का बदला पूरा कर दिया, और अब उसकी वफात का वकत करीब आ-गया है और इसने जैतून के तेल की ख्वाहिश की है, और उस्के जिम्मा सिर्फ एक गुनाह है और मुझे मेरे परवरदिगार ने हुक्म दिया है कि मे उस्के तेल को गिरा दू, ताकी उसका इस तेल के गिर जाने से उसका दिल जले और अल्लाह उस की वजह से उस्के इस गुनाह को भी मिटा दे, यहा तक कि वो अल्लाह से इस हाल मे मिले कि उस्के जिम्मा कोई गुनाह ना हो.

मुहम्मद बिन काबरा ने फरमाया कि अल्लाह के कौल 'फमय यामल मिस्काला जररतिन अखीर तक' का यही मतलब हे यानी जब काफिर ज़र्रा और चींटी के बराबर भी कोई नेकी करता है तो उसका सवाब देना ही मे लिख लेता है और मोमिन जब ज़र्रा बराबर कोई बुराइ करता है तो आखिरत से पहले दुन्या ही मे इसकी जजा ओर बदला देख लेता है.

हवाला: एक हज़ार अनमोल मोती उर्दु से मज़मून का खुलासा लिप्यान्तरण किया गया हे.